अगर नहीं हैं दस्तावेज तो भी प्रवेश से वंचित नहीं होंगे छात्र

हल्द्वानी। प्रदेश के महाविद्यालयों और कैंपस में स्नातक प्रथम वर्ष के लिए समर्थ पोर्टल से की जा रही आवेदन प्रकिया को लेकर कई छात्र असमंजस की स्थिति में हैं। इंटरमीडिएट की परीक्षा पास कर चुके कई विद्यार्थी ऐसे हैं जो समर्थ पोर्टल पर आवेदन का प्रयास कर चुके हैं, मगर एनसीसी, एनएसएस, आरक्षण संबंधी जरूरी दस्तावेज ना होने से ऑनलाइन आवेदन नहीं कर पाए। छात्रों की समस्याओं के निराकरण के लिए संवाददाता मयंक जोशी ने उच्च शिक्षा विभाग के समर्थ पोर्टल के नोडल अधिकारी डॉ. चमन कुमार से बातचीत की और आवेदन करने में आ रही अड़चन के बाबत सवाल पूछे तो उन्होंने बताया कि अगर छात्रों के पास दस्तावेज नहीं हैं तो भी वह आवेदन कर सकते हैं।

अमर उजाला मिशन एडमिशन

एनसीसी, एनएसएस प्रमाण पत्र न हों तो भी परेशान न हों

■ एनएसएस और एनसीसी के प्रमाणपत्र न होने पर क्या करें?

- एनएसएस, एनसीसी और स्पोर्ट्स कोटे में छात्रों को प्रवेश में छूट मिलती है। आवेदन करते समय पोर्टल में विकल्प आता है कि आपके पास एनएसएस या एनसीसी के दस्तावेज हैं तो संबंधित छात्र ''हां'' का विकल्प चुन सकते हैं। अगर अभी प्रमाण पत्र नहीं हैं तो वे इसकी जानकारी देते हुए प्रार्थना पत्र अपलोड कर सकते हैं। काउंसलिंग के वक्त प्रमाणपत्र दे दें। अगर तब भी न हों तो प्रवेश मिल जाएगा, बाद में जमा कर सकते हैं।

■ आरक्षण संबंधी दस्तावेज न हों तो?

-महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए छात्रों को आरक्षण संबंधी लाभ मिलते हैं। अगर छात्र एससीएसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, फिजिकल हैंडीकैप या स्वतंत्रता सेनानियों के उत्तराधिकारियों के वर्ग से होने के साथ ही उत्तराखंड मूल के हैं और उनके पास जरूरी प्रमाण पत्र नहीं हैं तो छात्र इसके लिए आवेदन करे लें और आवेदन की रसीद पोर्टल पर अपलोड कर सकते हैं। महाविद्यालय में काउंसलिंग के दौरान छात्र अपने जरूरी दस्तावेज जमा कर सकते हैं।

■ कई छात्रों के पास सीसी, टीसी और इंटर का अंकपत्र नहीं है, तब?

- अगर छात्रों के पास सीसी और टीसी नहीं हैं तो वे ''नही'' के विकल्प को चुनकर आवेदन कर सकते हैं और काउंसलिंग के दौरान कागजात जमा कर सकते हैं। यदि छात्र के पास इंटरमीडिएट का अंकपत्र नहीं है तो वे अपनी कंप्यूटराइज्ड मार्कशीट ऑनलाइन निकालकर उन्हें पोर्टल पर अपलोड कर सकते हैं।

स्वातक प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए ये जरूरी

डॉ. चमन कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का लक्ष्य यह है कि कोई भी बच्चा पढ़ाई से वंचित ना हो। स्नातक प्रथम वर्ष में आवेदन करने के लिए छात्रों को चार चीजें अनिवार्य चाहिए। हाईस्कूल का अंकपत्र, छात्र की फोटो और उसके हस्ताक्षर।

मोबाइल फ्रेंडली है समर्थ पोर्टल

हल्द्वानी। उच्च शिक्षा निदेशक सीडी सूंठा ने बताया कि प्रदेश की भौगोलिक परिस्थिति को देखते हुए समर्थ पोर्टल को मोबाइल फ्रेंडली बनाया गया है। विद्यार्थी आसानी से अपने मोबाइल या टेबलेट से प्रवेश आवेदन पत्र आनलाइन भर सकते हैं। संवाद

समर्थ : गलती सुधारने का मौका भी मिलेग

संवाद न्यूज एजेंसी

अमर उजाला मिशन एडमिशन

आवेदन तिथि पूरी होने से एक सप्ताह पहले खुलेगी करेक्शन विंडो

हल्द्वानी। महाविद्यालयों और कैंपस में प्रवेश के लिए समर्थ पोर्टल से आवेदन कर रहे छात्रों ने अगर आवेदन पत्र भरने में कोई गलती कर दी है तो परेशान ना हों, त्रुटियों को सुधारने का उन्हें मौका दिया जाएगा। पंजीकरण तिथि पूरी होने से एक सप्ताह पहले करेक्शन विंडो खोली जाएगी। इस दौरान छात्र आवेदन पत्र में सुधार कर सकते हैं।

समर्थ पोर्टल के नोडल अधिकारी डॉ. चमन कुमार ने बताया कि आवेदन पत्र भरते समय अगर छात्रों ने नाम भरने, वर्ग का चयन करने या कोई अन्य गलती कर दी है तो छात्र एक सप्ताह के लिए खुलने वाली करेक्शन विंडो के जरिये अपनी गलती में सुधार करते हुए आवेदन पत्र अपडेट कर सकते हैं। छात्र-छात्राएं जैसे ही अपने आवेदन पत्र को अपडेट करेंगे तो उनकी पीडीएफ के साथ ही यूनिवर्सिटी और कॉलेज में भी जानकारी अपडेट हो जाएगी।

■ बीएससी प्रथम वर्ष में फेल होने पर आर्ट या कॉमर्स संकाय में एडमिशन लेना चाहते हैं तो क्या करें?

अगर कोई छात्र बीएससी प्रथम वर्ष में फेल हो गया है या पेपर नहीं दे पाया है अ अपना संकाय बदलना चाहता है तो ऐसी स्थिति में आवेदन पत्र भरते समय पूछा कि क्या आप पहले से विश्वविद्यालय में पंजीकृत हैं, इसमें हां का विकल्प चुनने बाद छात्र अपनी पंजीकरण संख्या दर्ज करेंगे। इसमें छात्र को अपना संकाय बदल आवेदन पत्र भरना होगा।

■ स्नातक प्रथम वर्ष में फेल होने पर अपने ही संकाय में फिर से आवे कैसे करें?

स्नातक प्रथम वर्ष में अगर छात्र फेल हो गय है या परीक्षा नहीं दे पाया है, वह अपने संकाय में प्रवेश लेना चाहता है तो ऐसे छात्रों को समर्थ पोर्टल पर प्रवेश के लिए आ करने की जरूरत नहीं है। पहले से ही वह महाविद्यालय का छात्र है और विवि के पू निर्धारित नियम के अनुसार एक्स स्टूडेंट की तरह प्रवेश पा सकेगा। परीक्षा पास करने बाद उसका रेगुलर एडमिशन हो जाता है।

समर्थ पोर्टल पर सीएससी से भी आवेदन

सीएससी को आवेदन एवं प्रमाणपत्रों को अपलोड करने के लिए लेना होगा तय शुल्क

उच्च शिक्षा

राज्य ब्यूरो, देहरादून : राज्य विश्वविद्यालयों एवं डिग्री कालेजों में प्रवेश के लिए समर्थ पोर्टल पर जन सेवा केंद्र (सीएससी) के माध्यम से आनलाइन आवेदन किया जा सकेगा। विद्यार्थियों से आवेदन पत्र व अन्य प्रमाणपत्र आनलाइन जमा करने के लिए सीएससी पहले से निर्धारित 30 रुपये से अधिक शुल्क नहीं ले सकेंगे। उच्च शिक्षा सचिव शैलेश बगोली ने बताया कि इस संबंध में निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश में अब तक प्रवेश के लिए समर्थ पोर्टल पर 12 हजार पंजीकरण हो चुके हैं।

उच्च शिक्षा सचिव शैलेश बगोली ने बताया कि 'एक प्रदेश, एक प्रवेश, एक परीक्षाफल व एक दीक्षांत उद्देश्य को ध्यान में रखकर ही समर्थ पोर्टल तैयार कराया गया है। तीन राज्य विश्वविद्यालयों श्रीदेव सुमन, कुमाऊं और सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय में एक पोर्टल के माध्यम से एक प्रवेश प्रकिया संपन्न कराई जा रही है। इसका लाभ इन विश्वविद्यालयों से संबद्ध सभी राजकीय, सहायताप्राप्त अशासकीय डिग्री कालेजों और निजी कालेजों को मिलेगा। प्रवेश प्रक्रिया के दौरान विद्यार्थियों पर अतिरिक्त व्ययभार को लेकर उठाए जा रहे सवालों के जवाब में सचिव ने कहा कि विद्यार्थियों पर अतिरिक्त वित्तीय भार नहीं डाला जाएगा। राज्य में बीते कई वर्षों से कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल व सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा 50 रुपये पंजीकरण शुल्क लेते रहे हैं। इसके बाद ही विद्यार्थी विश्वविद्यालय से संबद्ध कालेजों के लिए आवेदन करते थे। श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय, टिहरी गढ़वाल में ऐसी व्यवस्था नहीं रही। इस कारण अभ्यर्थी प्रत्येक कालेज में पृथक से निश्चित पंजीकरण शुल्क का भुगतान कर पंजीकरण कराते थे।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को राज्य में संचालित विभिन्न राजकीय, अनुदानित व निजी कालेजों की जानकारी भी नहीं मिल पाती थी। विभिन्न विश्वविद्यालयों की पृथक परिस्थितियों के कारण प्रवेश तिथियां, कक्षाओं का संचालन, परीक्षाओं की तिथियां तथा परीक्षाफल घोषणा अलग-अलग समय पर की जाती रही है। इससे विद्यार्थियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। उच्च शिक्षा मंत्री डा धन सिंह रावत ने इन्हीं कठिनाइयों के निराकरण के निर्देश दिए थे।

बार-बार नहीं देना होगा पंजीकरण शुल्क: उन्होंने कहा कि अब विद्यार्थियों को विभिन्न विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में बार-बार पंजीकरण शुल्क नहीं देना होगा। केवल एक बार 50 रुपये पंजीकरण शुल्क देकर अधिकतम 10 कालेजों में आवेदन की सुविधा मिल रही है। प्रवेश प्रक्रिया समाप्त होने के बाद इन विश्वविद्यालयों से संबद्ध कालेजों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को एक समान पहचान पत्र निर्गत किया जाएगा। समर्थ प्रवेश पोर्टल पर प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न होने के पश्चात प्रत्येक विद्यार्थी का अपना एक लागिन होगा।

मोबाइल फ्रेंडली है पोर्टल : राज्य की परिस्थितियों के अनुसार इस पोर्टल को मोबाइल फ्रेंडली बनाया गया है।

महाविद्यालयों में दाखिले के लिए छात्र सीएससी से कर सकेंगे आवेदन

इसके लिए तीस रुपये से अधिक नहीं लिया जाएगा शुल्क

देहरादून। प्रदेश के महाविद्यालयों में दाखिले के लिए छात्र यदि चाहें तो अब जन सेवा केंद्र (सीएससी) के माध्यम से भी आवेदन कर सकते हैं। इन केंद्रों के जरिये आवेदन के लिए छात्र-छात्राओं से तय तीस रुपये से अधिक शुल्क नहीं लिया जाएगा। उच्च शिक्षा सचिव शैलेश बगौली ने कहा कि विभागीय अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दिए गए हैं।

प्रदेश में इस बार समर्थ पोर्टल के माध्यम से छात्र-छात्राएं महाविद्यालयों में दाखिले के लिए आवेदन कर रहे हैं। शिक्षा सचिव के मुताबिक अब तक 12 हजार से अधिक छात्र अपना पंजीकरण करा चुके हैं। दाखिले के लिए छात्र खुद आवेदन कर सकते हैं, यदि किसी के पास सुविधा नहीं है, तो वे सीएससी केंद्र से आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा हर महाविद्यालय में छात्रों के लिए सुविधा पटल बनाए गए हैं। विभागीय सचिव के मुताबिक समर्थ ई-गवर्नेंस प्रवेश पोर्टल राष्ट्रीय शिक्षा मिशन के तहत बनाया गया है। इसके माध्यम से हर साल देशभर के समस्त केंद्रीय विश्वविद्यालयों की प्रवेश प्रक्रिया सेंट्रल यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट कराए जा रहे हैं।

इस योजना का सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों में सफल संचालन के बाद अब राज्य विश्वविद्यालय एवं विभिन्न राज्य सरकारों की ओर से भी प्रयोग किया जा रहा है।

प्रदेश सरकार के एक प्रदेश, एक प्रवेश, एक परीक्षाफल एवं एक दीक्षांत के उद्देश्य से तीन राज्य विश्वविद्यालयों, कुमाऊं विवि नैनीताल, सोबन सिंह जीना विवि अल्मोड़ा एवं श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय, टिहरी गढ़वाल से संबद्ध सभी महाविद्यालयों में एकीकृत प्रवेश पोर्टल समर्थ ई-गवर्नेंस को माध्यम बनाया गया है। ब्यूरो